



2. **क्रमिक न्यादर्श (Systematic Sample)** :- यह विधि साधारण अनियमित न्यादर्श से सुधरी हुई प्रविधि है। इसमें जनसंख्या की जानकारी आवश्यक होती है। इसमें सभी के नामों की सूची या तो वर्णमाला के अनुसार या अन्य विधि से तैयार कर लेते हैं, सभी एक ही विधि से लिखे जाते हैं। यह विधि यादृक्षित प्रतिचयन विधि से अच्छी है, इसमें जनसंख्या की जानकारी आवश्यक होती है। इसमें जनसंख्या की सभी इकाईयों की सूची या तो वर्णमाला के अनुसार या अन्य विधि से तैयार कर लेते हैं। अब तैयार सूची में से एक क्रम से व्यक्ति या इकाई का चयन करते जाते हैं।

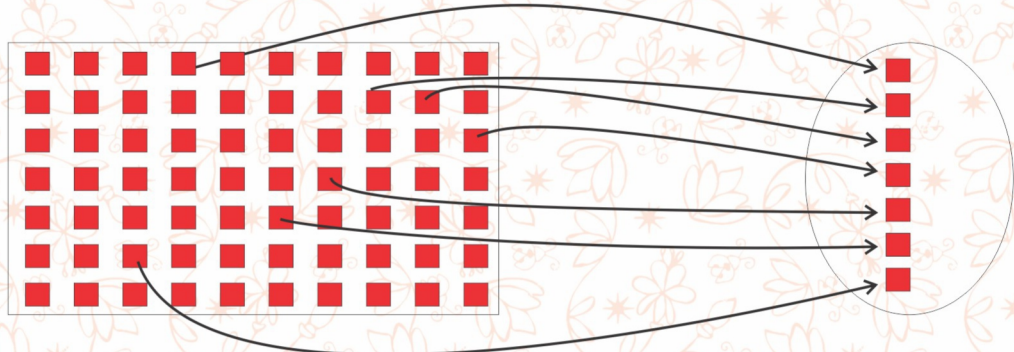
जैसे :- जनसंख्या का कुल संख्या = N

न्यादर्श में इकाईयों की संख्या = n

व्यक्ति का चयन किया जायेगा = N/n

यदि 2000 व्यक्तियों (जनसंख्या) में से 200 व्यक्तियों का न्यादर्श चयन करना है तो $N=2000$, $n=200$ व्यक्ति का चयन किया जायेगा = N/n वाँ = $2000/200 = 10$ वाँ इससे स्पष्ट है कि जनसंख्या वाली सूची से हर 10वाँ व्यक्ति न्यादर्श हेतु चयन किया



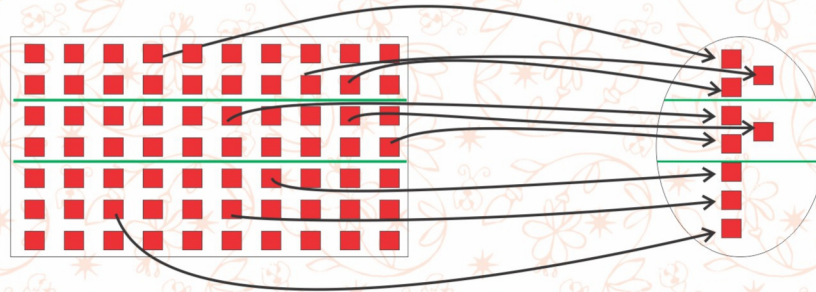


Systematic Random Sampling





3. **स्तरीकृत रैण्डम न्यादर्श (Stratified Random Sample) :-** कभी-कभी जनसंख्या को कुछ सुस्पष्ट तथा स्तरों में बांटा जा सकता है तथा अनुसंधानकर्ता उन सभी उपसमूहों अथवा स्तरों से इकड़ियों का चयन सुनिश्चित करना चाहता है तब प्रातः स्तरीय रैण्डम प्रतिचयन विधि का प्रयोग किया जाता है । जैसे उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों को कक्षा-6, कक्षा-7, व कक्षा-8 के छात्रों के तीन उपसमूहों में अथवा ग्रामीण व शहरी छात्रों के दो स्तरों में अथवा लड़के व लड़कियों के दो स्तरों में अथवा उच्च, औसत व निम्न बुद्धि छात्रों के तीन वर्गों में बाँटा जा सकता है ।



Stratified Random Sample





स्तरीयकृत प्रतिदर्शन में कोटा के अनुरूप पहले जनसंख्या को दो या दो अधिक स्तरों में बांटा जाता है, यह स्तर एक कसौटी पर आधारित होता है, या एक से अधिक कसौटियों के मेल पर आधारित होता है।

उदाहरण :-

क्षेत्र	बालक			बालिका			कुल योग
	शासकीय विद्यालय	अशासकीय विद्यालय	योग	शासकीय विद्यालय	अशासकीय विद्यालय	योग	
ग्रामीण क्षेत्र	150	140	290	100	80	180	470
शहरी क्षेत्र	170	130	300	120	110	230	530
योग	320	270	590	220	190	410	1000
कुल योग		590			410		1000





स्तरीयकृत न्यादर्श



समानुपातिक न्यादर्श

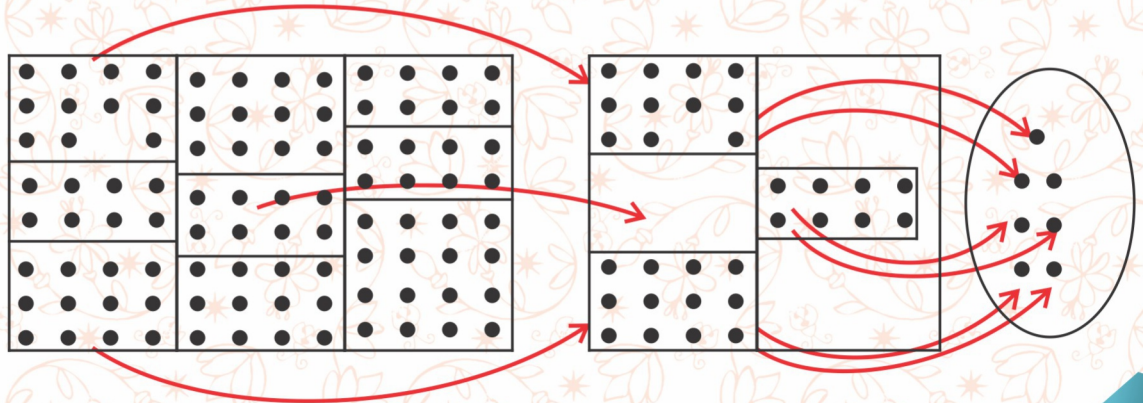
असमानुपातिक न्यादर्श

1. समानुपातिक न्यादर्श में बिलासपुर जिले के उच्च वर्ग, मध्यम वर्ग तथा निम्न वर्ग की संख्या क्रमशः 200, 500, 300 है तो समानुपातिक न्यादर्श के अनुसार जनसंख्या के अनुरूप न्यादर्श का चयन 20, 50, 30 लिया जायेगा। यह समानुपातिक न्यादर्श है।
2. असमानुपातिक न्यादर्श में बिलासपुर जिले के उच्च वर्ग, मध्यम वर्ग तथा निम्न वर्ग की संख्या क्रमशः 200, 500, 300 है तो समानुपातिक न्यादर्श के अनुसार जनसंख्या के अनुरूप न्यादर्श का चयन 25, 45, 30 लिया जायेगा। यह असमानुपातिक न्यादर्श है।





4. **बहु-सोपान न्यादर्श (Multi-Stage Sample) :-** कभी-कभी अनसंधानकर्ता को प्रतिदर्श का चयन करने के लिए एक से अधिक बार प्रतिचयन करना पड़ता है। जैसे पश्चिम बंगाल में कक्षा दस में अध्ययनरत छात्रों के किसी प्रतिदर्श का चयन करने के लिए पहले कुछ जनपद, फिर छाँटे गये जनपदों में से प्रत्येक जनपद से कुछ हाईस्कूल तथा फिर छाँटे गये हाईस्कूलों में से प्रत्येक हाईस्कूल से कुछ छात्र छाँटे जा सकते हैं। स्पष्ट है कि अन्तिम रूप में छाँटे गये दात्र ही वास्तविक प्रतिदर्श का निर्माण करेंगे।



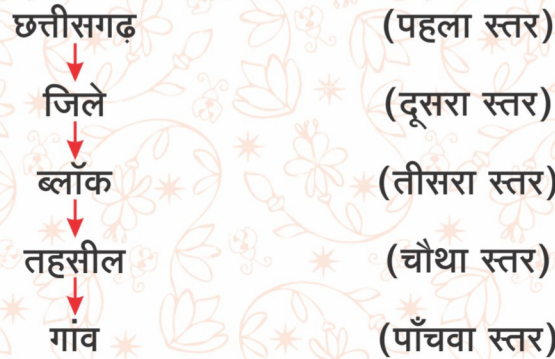
Multi-Stage Sample





बहुस्तरीय प्रतिदर्शन विधि :- बहुस्तरीय प्रतिदर्शन विधि, स्तरीकृति प्रतिदर्शन विधि का ही सुधरा हुआ रूप है। इसमें प्रतिदर्श के चयन हेतु अनुसंधानकर्ता अपने अध्ययन के क्षेत्र को भौगोलिक आधार पर छोट-छोटे खण्डों में विभक्त कर लेता है। खण्डों का आकार व संख्या, अध्ययन के क्षेत्र के विस्तार अध्ययन की व्यापकता तथा अनुसंधानकर्ता की आवश्यकता पर निर्भर करती हैं।

न्यादर्श चयन का स्तर





धन्यवाद !



